**PSO and CO for AY – 2019-20**

**Name of Faculty : Arts**

**Name of Department : Hindi**

**P.G.Programme : M.A. Part – I & Part – II**

**Programme Specific Outcomes**

* **पाठ्यचर्या : १. मध्ययुगीन काव्य (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. हिन्दी की मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियो का परिचय देना |
2. मध्ययुगीन काव्य प्रवृत्तियो की पृष्टभूमि पर कवि विशेष की रचनाओ का परिचय कराना |
3. तत्कालीन काव्यभाषा की प्रवृत्तियो का परिचय देना |
4. पाठ्यकृतियो के आधार पर काव्य मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना |
5. सर्जनात्मक कौशल विकसित करना |

* **पाठ्यचर्या : २. कथा साहित्य (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. उपन्यास विधा से अवगत कराना |
2. कहानी विधा से अवगत कराना |
3. पाठ्य रचनाओ मे अभिव्यक्त मूल्यो का संप्रेषण करना |
4. आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना |
5. सर्जनात्मक कौशल का विकास करना |

* **पाठ्यचर्या : ३. भारतीय काव्यशास्त्र (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना |
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायो से अवगत कराना |
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को पारखणे की क्षमता को विकसित करना |
4. आलोचानात्मक दृष्टी को विकसित करना |

* **पाठ्यचर्या : ४. (वैकल्पिक) नाटककार मोहन राकेश (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना |
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना |
3. हिन्दी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना |
4. मोहन राकेश के नाटको के द्वारा नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टी विकसित करना |
5. नाट्याभिनय कौशल को विकसित करना |

* **पाठ्यचर्या : ५. कथेतर गद्य साहित्य (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. व्यंग्य, निबंध, रेखाचित्र और संस्मरण विधा से अवगत करना |
2. पाठ्य विधाओ का भाषिक अध्ययन करवाना |
3. मौलिक लेखन कौशल विकसित करना |

* **पाठ्यचर्या : ६. शोध प्रविधि (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. छात्रो को शोध प्रविधि से अवगत कराना |
2. शोध दृष्टी का विकास करना |
3. नये शोध – प्रवाहो से परिचय कराना |
4. शोध प्रक्रिया एवं शोधप्रबंध लेखन कौशल विकसित करना |

* **पाठ्यचर्या : ७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना |
2. पाश्चात्य चिंतको के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनो से अवगत करना |
3. छात्रो को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टी देना |

* **पाठ्यचर्या : ८. (वैकल्पिक) हिन्दी उपन्यास साहित्य (M.A. Part -1)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. हिन्दी उपन्यास साहित्य के विकासक्रम एवं प्रवृतियो से परिचित कराना |
2. उपन्यासो के आस्वादन, अध्ययन की क्षमता विकसित करना |
3. पाठ्य रचनाओ मे प्रस्तुत साहित्तिक मूल्यो का संप्रेषण करना |
4. मूल्यांकन की दृष्टी का विकास करना |

* **पाठ्यचर्या : ९. सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – १ (महाकाव्य तथा खंडकाव्य)**

**(M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. छात्रो को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियो का परिचय कराना |
2. छात्रो को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना |
3. आधुनिक युग मे इन काव्य प्रकारो के विकासक्रम का परिचय देना |
4. छात्रो को आधुनिक काव्य प्रकारो के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य मे रचनाओ के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टी देना |

* **पाठ्यचर्या : १०. विशेष स्तर – भाषा विज्ञान (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. भाषा विज्ञान के अंगो एवं विभिन्न शाखाओ का परिचय देना |
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना |
3. भारतीय आर्य भाषाओ के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना |
4. हिन्दी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना |
5. हिन्दी के शब्द भेदो के विकासक्रम का विवरण देना |
6. हिन्दी के विविध रूपो की जानकारी देना |
7. साहित्य के अध्ययन मे भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना |
8. विकास के संदर्भ मे देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना |

* **पाठ्यचर्या : ११. विशेष स्तर – हिन्दी साहित्य का इतिहास (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. युगीन परिस्थितीयो और साहित्तिक प्रवृत्तियो के आधार पर हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना |
2. आदिकालीन, भक्तीकालीन तथा रीतीकालीन प्रमुख साहित्तिक प्रवृत्तियो, प्रतिनिधी कविओ और उनकी रचनाओ से परिचित कराना |
3. जैन, सिद्ध, नाथ और अपभ्रंश साहित्य के प्रभाव से अवगत कराना |
4. युगीन सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्तिक तथा आर्थिक परिस्थितीयो के परिप्रेक्ष्य मे हिन्दी साहित्य से अवगत कराना |

* **पाठ्यचर्या : १२. विशेष स्तर (वैकल्पिक) – अनुवाद विज्ञान (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप, महत्व एवं व्याप्ति की जानकारी देना |
2. अनुवाद के विविध रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया का परिचय देना |
3. अनुवाद के सामाजिक, सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना |
4. अनुवाद के समय आनेवाली विभिन्न समस्याए तथा उनके समाधान से परिचित कराना |
5. अनुवाद की क्षमता विकसित कराना |

* **पाठ्यचर्या : १३. सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – २ ( विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता ) (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. छात्रो को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियो का परिचय कराना |
2. छात्रो को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्त काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना |
3. आधुनिक युग मे इन काव्य प्रकारो के विकासक्रम से परिचित कराना |
4. छात्रो को आधुनिक काव्य प्रकारो के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य मे रचनाओ के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टी देना |

* **पाठ्यचर्या : १४. विशेष स्तर – हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमी का परिचय देना |
2. भारतीय आर्य भाषाओ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना |
3. भारतीय आर्य भाषाओ के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना |
4. हिन्दी बोलियो का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना |
5. हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास की जानकारी देना |
6. लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना |
7. हिन्दी प्रचार एवं प्रसार के आंदोलन की जानकारी देना |

* **पाठ्यचर्या : १५. विशेष स्तर – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल ) (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. हिन्दी गद्य के अविर्भाव के प्रधान कारणो, परिस्थितीयो का परिचय देना |
2. विषयवस्तु, भाषाशैली, शिल्प[, विचारधारा, प्रभाव ग्रहण आदी के परिप्रेक्ष्य मे प्रवृत्तियो को समझाते हुये हिन्दी की प्रमुख गद्य विधाओ के विकासक्रम से परिचित कराना तथा प्रमुख गद्यकारो का परिचय देना |
3. आधुनिक हिन्दी कविता के विकास के प्रमुख चरणो की प्रवृत्तीयो, उपलब्धियो तथा सीमाओ से अवगत कराना |

* **पाठ्यचर्या : १६. विशेष स्तर (वैकल्पिक) – ख) लोकसाहित्य (M.A. Part -2)**

**पाठ्यक्रम का उद्देश :**

1. लोकसाहित्य के स्वरूप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना |
2. लोकसाहित्य की विविध विधाओ की जानकारी देना तथा लोकजीवन मे उसकी व्यापकता समझाना |
3. लोकसाहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना |
4. महाराष्ट्र के लोकसाहित्य से परिचित कराना |

* **स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का छात्रो पर परिणाम व नतीजा (Outcomes) :**

1. विषय ज्ञान अवगत होगा |
2. संप्रेषण कौशल विकसित होगा |
3. विश्लेषणात्मक एवं तार्किक दृष्टी का विकास होगा |
4. समूह कार्य और समय प्रबंधन का महत्व विकसित होगा |
5. स्वाध्या के प्रति विशेष रुची का निर्माण होगा |
6. वैचारिक स्पष्टता आ जायेगी |
7. शोध कौशल विकसित होगा |
8. बहुसांस्कृतिकता आ जायेगी |
9. नैतिक और सामाजिक मूल्य विक्सिओत होंगे |
10. डिजिटल साक्षरता आ जायेगी |
11. शिक्षण अधिगत पद्धति विकसित होगी |
12. मूल्यांकन पद्धती का ज्ञान विकसित होगा |